



CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ॐ नमो भगवते ॥ ॐ सकल कुल पतनी
 मरुमहेश्वरी ॥ मरुमहेश्वरी क
 कठकयती ॥ सुगुप्तमपराती मरुक
 देवयती ॥ लघुतिरुगति मेवी भुवर्ग
 स्त्रीयती ॥ मरुतु एमेकवर्ग प्रलम्ब
 वरुणभूमा ॥ अपरुमतिरुगं मेवीवर

ठ.
म.
५१

मठयपालिकभा ॥ पूउमंभुंभदगै
 मीकुलगैपवीडिनीभा ॥ ठवनीकल
 मंदागरमुमुविदुधिताभा ॥ एगडि
 डिकंगीरुद्रविष्णुमृमिठिःभुः ॥ मुउं
 उं'परमेसा'वीने'भुंविष्णुगिणीभा ॥
 उं'वमैठव' ॥ कैलभसिपगेभुमवम

वंमदसुगभा ॥ पुर्वेपठभाभीरंप्रभत्र
 भापपदुलभा ॥ सुगभुगभिरैरुगद्वि
 उद्विपुगंप्रभुभा ॥ प्रलभुमिभभावनी
 रभुल्ललिगठपठ ॥ श्रीवद्विकेसुगउव
 म ॥ मेवमेवरागत्राघभंमयेभुभरा
 मभ ॥ गद्वभुमेकभिसुभिप्रभुंइंठउ

ठ०
म०
५५

वङ्गलभा ॥ मेवडाशभुयकभाभुडभउ
मिवातिमभा ॥ पएउविगुंनषडुडःकिभ
परःपरः ॥ उडिधपुभुममेवेनमिकेनरा
गमुनः ॥ भूवमठगवानेकेविकभनेइप
कुणः ॥ मीठगवानुवम ॥ भापुभापु
गलामुपुधपुववभिभंमयडा ॥ भुमभ

पिसयमैपुंगरुसंकषयभित्त॥ पुन
 कल्पद्वयैलैकमिभक्तुमुमोतवः॥
 गुणद्वयमयीमक्तिप्रलपुक्तुतिभंल्लित
 ॥ अष्टमदंभभद्वनमुद्धैमुद्धममिठिः
 ॥ मोतवोतिउतःमक्तिमंकपुलिङ्गुतमु
 धी॥ रुतःमकल्पएलशुभवोपिधूयिनी

क.
भ.
५७

सुठ॥ उल्लुडिपरभासक्तिममिभीलउ
उःपरभा॥ उतेवगिडिविष्टाउसक्तिम
ममयीपुग॥ पूरुगभीष्टगमःउवेमम
उभगभुती॥ वृन्नीमवैष्टुवीगेष्टीकेभ
गीपचतीमिव॥ मिष्टुमवुष्टुमसाउ
मचमल्लमयिनी॥ उयैउष्टुष्टुउविष्टुम

नमो भगवते ॥ उद्येत्तद्दलुत्तमचंत्तुम्
 वप्रलीयते ॥ अस्मिन्त्तद्दलुत्तमचंत्तुम्
 वविनिस्त्रितैः ॥ सुगणितं भुक्तं भवमचंत्तुम्
 द्विप्रमयिनी ॥ उद्येत्तद्दलुत्तमचंत्तुम्
 भुक्तं वप्रलीयते ॥ भवमचंत्तुम्
 सुगणितं भुक्तं भवमचंत्तुम्

क.
म.
७.

वधूविवेसभा ॥ उमाग्रुमघाप्रभुमेसुद
पमभुतमभा ॥ उडुभाग्रुमघाप्रभुमेसुद
उडुगमगभा ॥ मभुगभुगगत्रचयदगदम
भगवभा ॥ मपत्रगंमभुमंममैलवनकन
वभा ॥ मगमिगुदरदइंपपुडुउगुल्लि
उभा ॥ रमित्राभमभुमेसुदमुवेरानेभयम

भुवेषा पगं मक्तिं मभान् गुरु कर्गिणी
 भा ॥ उडुङ्गे पगं मं वं मभान् मभान् मं विडु
 भा ॥ भूण्ण भूमि मभान् मभान् मभान् मभान्
 गभा ॥ श्री वक्रि के सुग उव म ॥ कग वक्रि व
 मं वे मल्लि कन धरा गङ्गा ॥ कर्क म्भित्त वम
 मं म्भित्त भूमि मः क्रियतां मयि ॥ मं मः भुव

क.
अ.
७०

मिमं पशुं सुल्लं मभुगपि ॥ सुतु मिसुसु
दं मेव भूठं वमपिमभुत ॥ श्रीठगवत
वाम ॥ सुगवद्विन्न दठगभुवगणमि
मंसुठमा ॥ मयसुवमठिद्विष्टः मिद्विमं
भापमिद्वममा ॥ सुमिठिः भूतनकुयप
ठित्वः मभादिउः ॥ इकलंसुद्वयय

ऊँ व्रातः परातः सुवः ॥ अस्तु श्री कवानी
 काममस्तु सुवरास्तु ॥ श्रीमस्तु मेव
 धिः ॥ अस्तु मक्तिगवती कवानी मेव
 अस्तु पाकनः ॥ श्रीमेवी श्रीहंमकल
 कामवस्तु पुं ॥ अस्तु काममेव
 मेवीमतिधं पुं पाठविनिर्घणः ॥ ॥

क.
मु.
२७

अथष्टावभा ॥ तालाकुभ'भुल'ठभंम
उर'डं'दिले'सव'भा ॥ प'म'कु'म'प'र'रु'
प'र'र'य'उं'मि'वं'क'र' ॥ अ'र'र'कु'म'लि
म'भ'ल'भ'भ'ग'ठि'व'कु'म'भ'र'र'प'प'म'भ'लि
र'कु'क'प'ल'र'भ'भा ॥ र'कु'र'र'ग'ग'र'म'व'
ठ'र'r

कलङ्गीभा ॥ त्रिमलविहृणगमत्त
 मलालङ्गीःमिवप्रिय ॥ विष्णुभायसु
 कमातुमिहूमिहूमगभुती ॥ कभाक
 तिःप्रुहृष्टिपचतीभवमङ्गल ॥ दि
 कुलमलिकमातुपमलङ्गीदगिप्रि
 य ॥ दिप्रुगवन्निवीनमभुनमभुगवन्निता

०५

यल्लु विह मरुभा घवमभा उभुपा य
तिः॥ श्रीतिः पूषा प्रभिसू मभरु नीवित्तु
वामिनी॥ भिसू विह मरु मक्तिः पष्टीर
मभेविता॥ प्रमद्रुत प्रिय कतु क मिवीप
मल्लेमव॥ पूल्ल मिनी मरुभा उभुना मु
नतिना मिनी॥ सुलभापी भुगेइ मष्टेतिः

क.
म.
२३

ऊभमदमिनी ॥ सुनभ'सुलठ विहु'सुन
 तिःपुगव'मिनी ॥ अथल'स'भुगीभ'स'भ
 मिग'भ'सुदमिनी ॥ उलव'गीसुगीविह'ति
 इल्लि'व'द'स'म'गी ॥ क'भ'सुगीम'वील'म'कु
 न'पु'व'फि'व'मिनी ॥ ल'भु'म'गीभ'द'क'ली
 विह'विह'सुगीउष' ॥ व'र'सुगीम'भ'ह'म'भ

ठ०

अ०

७५

चमोठ शुवचिनी ॥ भङ्गुदिल्ली वागभिंली
वैष्णवीमभदेमगी ॥ कहुचनीममभमभ
चमभदुिकगिल्ली ॥ वागयलीमभनिमूधे
गनिमूधुठवती ॥ भुल्लुपगमिताभुल्लुताग
भप्रमतीभप्र ॥ क्षीगल्लवभुतादलकलि
कभिंशुवशुव ॥ छेकगमभुतादगम

उवाकैपवाक्षिः ॥ अचरिमुपगणीवि
 सुभाउकलावती ॥ पद्मवतीभुवभू मधुव
 सुमभभुती ॥ कुभुभवाणागसु शीवसुभ
 उशिनेसुगी ॥ शिनेभउशिनेसु मभागम
 संभवदुवा ॥ गहलद्वीचधदुगभुणक
 गभुणद्विक ॥ गहानीडिभुषीवकुभुवती

क०
 म०
 ७५

डिःरिषावडी॥ मङ्कुडिभुगिल्लीमृङ्कुभङ्ग
 डिङ्गङ्गयल्ल॥ भित्तुङ्गङ्गकिनीगङ्गयभ
 दामभङ्गुडी॥ गेम्बगीविधामभकवेगी
 मसउङ्गङ्ग॥ भग्यसुङ्गङ्गगमकेसिकी
 गङ्गकीसुमिः॥ वङ्गङ्गकङ्गवमभङ्गव
 उषमेविक॥ वेङ्गवडीविउभुमवीम्भवङ्ग

दन॥ भग्नीपतिवृत्तभाषीभुमन्तःकुम्भ
 वभिनी॥ एकमन्त्रकमन्त्रकीभुमन्तःकुम्भ
 गभालिनी॥ भवन्तःपतकमन्त्रक
 सुम्भकद्विनी॥ पतकिनीमन्त्रकविभ
 प्लीपल्लभाभिषा॥ पतपतकलन्त्रकविभ
 किम्भकमन्त्रिनी॥ पतपतकलन्त्रकविभ

ॐ
मं
७

भागीकुलवामिनी ॥ उक्ताकगवतीमक्तिः
कभगैतः कपावती ॥ वसुधुणवसुधु
मन्त्रीमन्त्रपराक्रम ॥ गीगीभुवत्कवत्क
मक्तिउमंदाकगिनी ॥ एकवैकभदे
हममउराकमदुह ॥ कुराङ्गकप
कुराङ्गककभवामिनी ॥ धङ्गककमिनी

सुग'क'यभू'क'यवलित' ॥ भूमित'भ
 भापीक्ष'भा'अलभू'दितिगी'सुगी' ॥ अर'म
 द्रवल्'म'पु'न'ध'क'प्रव'तिनी ॥ ग'क'नील'
 भित'सु'भ'न'पू'पी'त'म'क'रु'ग' ॥ क'ण'द
 पू'ए'ग'व'भू'त'न'ली'क'न'ल'य' ॥ क
 ल'क'भू'भ'द्र'त'म'वि'मे'ध'क'ल'कु'पि'नी

क.
भ.
७१

भुकलम्भव'व'भ'मकुभदजवडीगभा॥
 गनुभिय'भुगनु'मभुभदज'मभवेगडिः॥
 भगव'ठिभुग'क्षीमकनु'गभैरु'ठि'ली
 ॥ पभुयेरिःभुकेसीमभुलिङ्गठगकुपि
 ली॥ येरिभुभु'भद'भुभु'पे'मगी'पगग
 भिनी॥ भपुमी'भ'पवीवल्ली'भपुभड'भ'भे

सुडा ॥ भाउङ्गी सुकदभु मप्रध गाल कु
 मापिनी ॥ गऊ भुगण गङ्गी व गऊ प्रध वतं
 भिनी ॥ सुह भुगण गङ्गी गभन सुडा वभु
 प्रिय ॥ भवेतिः पद्म दभु मभुतु द ग
 विक्रम ॥ कदु गभे न विः सुभा पद्मि
 नी पद्म भक्ति ॥ पद्मि नी मरु दभु मकु

४०
 म०
 ७३

मुष्ठीपरिष्ठाद्युष्टा ॥ मापिनीपमरुमुम
 डिमुलवगणगिणी ॥ भुगलमक्तिरुमुम
 भयुगवग्वरु ॥ वगद्युष्टागीगीगपा
 लममेकुष्ट ॥ वमुष्टावमुष्टागमरायाम
 कभुगीमिव ॥ विरायामरायमुमु
 रीमडुगमिनी ॥ मुतचडीवेममक्तिचगम

वरुणारिणी ॥ सीतलामभुमीलामरालगु
 दविनामिनी ॥ कुमारीवभुपलामकभाम्बा
 कामवन्निता ॥ हलनूरुगवतुकामकुप
 विवामिनी ॥ कभरीलवतीभट्टभट्टपम्प
 गयल ॥ कुलमानकिताभक्तभक्तव
 द्विपूर्णेनी ॥ धर्मेणमदिकेणमदिरुद्र

क.
 म.
 ७७

वधरुद्र **॥** वधप्रिया वधाकुंठमदिधम
 गप्पातिनी **॥** मुमुक्षुदरुगमीपुमीपुपाव
 कभविष्ट **॥** कपालरुक्ता कलीकपालम
 लठगिल्ली **॥** कपालकुलमीद्रमिवद्रु
 डीपवप्रविः **॥** मिष्टिद्रुवुष्टिद्रुविष्टमद्रुम
 नप्रर्वोपिनी **॥** कमुशीववभुमतीकुडकुडघा

दत्तलया ॥ रागमस्तु कृतमलिनीकुरा
 गकमसायिनी ॥ पूल्लमस्तु प्रथममर
 ठिवलमलिनी ॥ भलरागविगकग
 वदिकृतमदत्तलया ॥ वाद्यकृतभाषा
 भीराविगरागविगस्तु ॥ सुभैस्तु भग
 उत्तीवरागपद्विनीवदिकृतमस्तु ॥ वल्ली ३

८.
म.
१.

तुमभङ्गवधसुभाभुङ्गलेलुठ ॥ उप
 शिनीउपक्षिमुपमःमिमुमयिनी ॥ उ
 धेनिभूउपेयङ्गउपभीमउपःप्रिच ॥ म
 पुणउमयीप्रतिभुपुणइतुगसुय ॥ म
 प्रिभुनःप्रिगत्रप्रिबुलेमुत ॥ उधणि
 वैभुभउमसुवमक्तिपूठविनी ॥ वैभुवै

८०
भ०
१०

कंलिकीकुलविहसुमभुकुलकुलप्रणि
 उ॥ कलमरुहमहातुविहमहमवमि
 नी॥ वटलीभेपभालमभुवपिभुभुव
 चिनी॥ सकगमडकगमउकगैकगकु
 पिली॥ झीकगीगीराकुपमल्लीकगभु
 गवमिनी॥ भवदरभयीप्रतिदरवलभ

लिनी ॥ भिन्नुगन्तवत्तमभिन्नुगडिल
 कप्रियः ॥ वसुमवसुगीएमल्लेकवसुविठ
 विनी ॥ नपवसुनपैम्भुनपवसुकगीत्रि
 भादिधीनपभातुमनभानुनपवमिनी
 नपपद्ममयीणतुणवणतुविवचिनी ॥ म
 उवल्ममयीनीडिस्सुउवल्मप्रसिद्ध ॥

य
 ३

क.
म.
१७

भवत्तममयीमिदुस्तुतममवमिनी ॥
बुद्धमीकद्रिचवेसुमुद्रमवगवल्ह
॥ वममनगउयल्लवेमविमुविठविनी ॥
भुमभुमयीविमुवगमभुभुणगिनी ॥
भुमेणभुमेणमठकलुपगसिउ ॥
गयडीभडुतिभट्टमविडीदिपमभुय ॥

इमहूः इपमीण्डीमुपवाभभगधि
 नी ॥ पद्मलीरालिकरालरालकीर
 भनउनी ॥ गङ्गाणगणमुद्रगङ्गमय
 निवमिनी ॥ भृगुगिष्ठातिनीमृदुप्रता
 मडिलेकुम ॥ लङ्काभवतीवक्रकवनी
 पपवमिनी ॥ पद्मभृगुगिष्ठातिनीमृदुप्रता

४-
३-
१३

ह्रस्वलिमनः॥ मधुसूतमयीतद्दीपकम
पुममैवतः॥ प्रकृतगुणमभंभुमभुसु
सुभुनवमिनी॥ मधुसूतमिनीपुतः
पुतःभवनिवमिनी॥ गीततुप्रियाक
मातुप्रियमपुप्रियमदयः॥ निधुमहप्रि
यप्रएलिकेसामभुगेतुमा॥ मविधाहु

लिनीहुलविधभेदडिकमिनी॥विध
 गिरगमभनीऊरऊल्लभउंभुव॥कु
 उकीडिदगीरदकुउवमविनमिनी॥गद
 श्रीगदभीगदिमीउविभुमिवगडिः
 मद्रिकमद्रुकडिभदकडिविममगी
 ॥रुकिनीमकिनीमिधुदकिनीमरुव

४०
 ३०
 १५

किनी ॥ मिडा मिड प्रिय ॥ अङ्गमकल ॥
 नमोवता ॥ गुमकुपणगुचीमडुमगीवि
 मागम ॥ मङ्गमगीविविडुमउडुमडु
 विनामिनी ॥ मङ्गमङ्गलमङ्गममङ्गम
 मङ्गलवामिनी ॥ मङ्गलमङ्गिगुलीपेताम
 मङ्गलकमङ्गुपिली ॥ मङ्गुमिङ्गुप्रम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ठ०
भ०
१५

सागप्रियउधुलैपामदुप्ररोचिनी॥
उद्धपगभाद्धमकुतठवविठविनी॥भद्ध
लमभमीलमपगभाद्धप्ररोचिनी॥मदि
लमदि॥प्रतिभुमदि॥मदिप्रिय॥
योगीयोगयक्तमयोगद्धप्रमालिनी॥
योगपद्धमभक्तमभक्तमपगभाग्निः॥वी

गमिंजीभुल्लममद्विनललमायिनी ॥
 एममएवममैककममभेदममुतिः ॥
 भाद्विनीद्वल्लममद्वमद्वएकेभिकुपि
 ली ॥ कउःकउयनीभुल्लममकवि
 भिय ॥ भमगभगदिभुमकवृमकुक्क
 विद्वम ॥ भेवपुडीमडीमउभेवकठगिनी

८०
भ०
१०

उमिडा ॥ भोमभिवीभमभमभुणभभ
 भमभलिनी ॥ भोठगुमभिवीहैभभभग
 भुतिवचिनी ॥ श्रीःभुतिवभभभैवभभकी
 कलिभमिनी ॥ भगुगीभभभैवभभकी
 भभभुतिः ॥ भगभुगीभभभैवभभकी
 भुतिवचिनी ॥ भभभभभभभभभभ

कथं धर्मसीकल ॥ यदुद्गम उरुत्तमयदि
 लीपवममिड ॥ मिडिलीमिडुमयमविमि
 इकुववसुगी ॥ मभभुभभुभुममभुभ
 भुवर्षेभु ॥ मधुभुकाभसीप्रलभभीम
 मकुभसी ॥ मभकलमभुमप्रलकुभ
 धिपग ॥ मनीमभुवीनीगीभदिपुगैवी

कः
भः
११

भय न भु म गे मी म भ न क र व प्र रि ण तु ॥
 वि भु भु द भि वी म भु क र ल म स व व र ॥
 क र ल वि क र ल म धे ग भु भु र व मि वी ॥
 र भु म उ वु के सी म र वु क भु भु म ॥ क
 म भु गी प र म भ क भु गी उ भु भु भु य ॥ क
 उ र भु भु व ल म भ भि उ भु भु व ल म ॥ भ उ

। इनीवगरेरु भडुग उङ्ग गभिवी ॥ किंभा
 संभग डिदंभी संभेङ्गल मिरेरु ॥ प्रल
 मङ्गभापी सुभा भिड सुभा सुभकु ल
 मधी मलोपनीलोपु भलोप लोपक प्रिय
 मङ्गनी मङ्गद सुभा मराल सुभा लरेवडा
 कुमदोडु वनिः कभीम सुगक सुवतिक ॥

८०
म.
१५

मयेष्टुमृगकभायतीजतीकगप्रिय॥
दिप्रधुगप्रमेयमकेमभुकेमवभिवी॥के
मिकीमकुमवडुकेमभीकेमवचिनी॥केम
मपमकेमकीठमभुकुमभप्रिय॥उउ
लमडलकेदिःकेदिभुकेदिगमृय॥
मयभुसमगुभमभुपभुपवचिनी॥उए

शिवी भठिक्क मरल मरल मरल यिनी ॥ म
 रुक्मिणी भठिक्क वडु वडिक्क मरल मरल ड्रिक्क ॥
 मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल ॥
 मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल ॥
 मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल ॥
 मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल ॥
 मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल मरल ॥

६०
 म०
 १७

मङ्कुरकल्पिकल्पभवभङ्गलभतुतिः
 भवलेकभयीभक्तिःभवमुवल्गैमग॥भ
 वल्लववतीव'ल्लभवउडू'वर्तेणिक॥एग
 डीमभभुपुस्रभुप्र'वभु'उगीयक॥इग
 भन्नगडिमन्न'भमिग'भैम'भैमि'वी॥प'वकु
 मिःप'वप'इ'प'वम'वक'गै'मुता॥मुप्रलम

अतीत विदुभवा मठ विनी प्रीति मङ्गली ॥
 भवर्मा एवती घुक्ति गङ्गा गङ्गा मिनी ॥
 विष्णु पद्म कुतुबं कवभा गङ्गा गङ्गा ॥ अ
 रूग मगुरु वती विगुरु गुरु वलिता ॥ गेदि
 ली कुमि गङ्गा मकल कुः कल वलिता ॥ कल
 दुगदिता वती मङ्गली ॥ ली ल

ठ०
म०
३०

मलीलवभू मत्रउवावववल्लठ ॥ अग्य
विद्यतिः प्रीती गतिगगविवचिनी ॥ पद्मव
उगउठिवा पद्मलेधु मयण ॥ पद्मपिडव
डीपडिः पद्मभुनविठ विनी ॥ उभडीक
भवडीरदिः प्रभुविल्लीहृदः ॥ गणः मुद्रुण
गभडिल्लगयनठणगिल्ली ॥ दिकलल्ल

द्विलिङ्गमद्विप्रतिः पुम्भुद्वर्ग ॥ अगगमि
 वउङ्गमकभउङ्गवर्गिल्ली ॥ भूस्वामी
 डीमीमिगुमीमीमिगुमिमिसा ॥ अरुङ्गडि
 ररुङ्गरलिभयारलिप्रिय ॥ भूकृवा
 मभिपेवीमभुङ्गुङ्गुङ्गुङ्गुवडा ॥ भाडाभा
 डाभनीरुप्रिः पिङ्गभाडापिडाभनी ॥ भुधर्मे

क०
 भ०
 ३७

फिदिन्नीप्रदीपेदीवप्रुमिसुप्रिया॥भुव
 मभुवणगमविसुयेनिःभुवन्धी॥मिसु
 इङ्गणगमेलमेलक्रीकठिरमिनी॥उव
 मीकमलीकेकविमिपमिपिवडिनी॥प
 इङ्गणगिन्नीपडुगालप्रुवडिनी॥ल
 इप्रुपुःकललहुलहुममुठलद॥

वडिनीभुषासंगपगिपाभापविचडिः॥
 भूकंगवलयावेलभदासमभदेमपेः॥
 धेधिलीमैधिलीमडिमीरुकेमीभुलेभ
 मा॥ललिताभंभलउतीवेमवेमझुण
 गिली॥^१रगभुका^२रभकु^३मरगभु^४कु^५कि
 कुय॥^६मदकीरुगउ^७मागीमारिक^८मु

क.
भ.
उ३

कठ'धिल्ली॥ साभुगीग'नमीविह'व'म
लीव'न'मिउ'॥ व'ग'लीउ'म'म'म'
मुँकु'उ'व'भ'रु'ग'॥ भी'व'भ'डि'प'ग'भ'ड'व'म'
उ'प'डि'भ'सू'य'॥ म'पू'भ'डि'वि'पी'म'म'भ'ल'
गू'भ'मिल'सु'मिः॥ भू'डिः'भं'सू'ग'डु'प'म'
भ'भं'सू'ग'भ'भं'सू'डिः॥ पू'रु'ड'म'स'ठ'य'

मगघगीडिः पूरुलिकः ॥ ३५ ॥ मभिङ्गल
 पिङ्गमधुभुभदवदिनी ॥ ममिभूवामड
 लभुङ्कः द्विनीभउएगीविनी ॥ मगकुपव
 द्दुङ्गपालपुङ्गुपागुनङ्गिग ॥ भुङ्गवगए
 म्भामेवीनउकङ्गठलपूरु ॥ विधयः ॥
 उमेदमनिविमेधः रिउङ्गिच ॥ विमुङ्गुप

ठ०
भ०
उ०

मिमावत्त'पगं बुद्धप्रवर्णिनी विचिक'म
विचैग'विगतिः भइवचिनी ॥ प्रमथल्लवठि
त्र'मइ'तिः केवलुम'यिनी विविऊ'भवि
वीप्रुठा'रावयिडीठदुमूतिः ॥ विगीदु'म
भमभुद'भचलैकैकभेविडा' भवभवा
ध्रिय'भव'भव'दलविवचिनी ॥ कलै'क

क्लिष्टियकलीऽधुःखविवा'मिरीऽधु
 उद्ग'उर्ध्वयधिःपद्म'णग'मृग'वतिः॥
 मसु'अति'सुव'ल्ल'मभ'मिःभम'उव'गले
 ॥ वी'कुची'गभा'उ'मवी'ग'अची'ग'द'मिनी॥
 र'य'मी'ल'य'मी'द'म'र'य'र'य'य'व'रिनी
 ॥ भो'ठ'गु'भ'ठ'ग'क'ग'भ'च'भो'ठ'गु'व'दिनी

ठ०
भ०
३५

कमलगीमि। सुकुपभङ्गीतिः पवित्रवत् ॥
भवतीकमयीप्रतिः भवमेवमयी पूठ ॥ भ
वमिष्टिपूयसक्तिः भवमङ्गलमङ्गल ॥
पुष्टं भवपूयमेवंमिवयः मिवठविडम
॥ यः पठेदुत्तमयसुमिष्टुदभनदिः
यस्यपिमययविष्टुवैविस्त्रलभभः ॥

एककलं मुकलं वदिकलं मुक्युतिः ॥
 मचमः पविनिमुक्ते पवपुममतिः ॥ उर
 भीरुलवः पुः मेकगे विवलिः ॥ यमभी
 कीडिभारुहः मठगेलेकप्रलिः ॥ कुप
 वजुलमभयः पूठवीदममतिः ॥ मयं
 मिलठउतिहं निस्सलं ममुठं मियभा ॥ म

क०
भ०
उ०

चथापविनिमुक्तेष्वणुमभस्त्रितः॥ उरु
भीरुलवःपुनर्लेकैषविवस्त्रितः॥ विहंर
वृमडाःमृगपदपेदमर्देद्वैः॥ वस्त्रितःभवि
उरुहैरुद्रुकिःसुमिभाभैः॥ विहृदंथगगे
विप्रःकडियेविरायीगल॥ वैसुभुपनल
कःसुःसुःभापभवप्रयज॥ प्रदजील

कउप्रद्वनजीलकउठरभा॥ उकुकभंउ
 कभाजी०मजी०ममदयभा॥ कउजी
 लकउकउं०पमीलगुलविताभा॥ कउं
 मरुमभं०प०म०वभुठरुमगुमः॥ व०मु
 कं०प०म०मु००कयं०प०म०दुः॥ एयउं
 मु००व०द्विलकउकुलपुदताभा॥ व०प०उ

गुणभुवनं नमो भित्तपत्रगाः॥ वधिसाम्ना
नमो किर्तिस्तुतवृत्तगणाभुकः॥ गालगुरु
ठिक्तुतावं गालवं मातिकगका॥ सुसु
वं प्रीतिरमेममैत्रीकगल्लभुमुभा॥ लीड
पासैम्भुस्तुर्व्वमीवेम्भुविस्तरमे॥ डिष्टु
गान्दमैम्भुस्तुर्व्वमीवेम्भुविस्तरमे॥ नमो गाल

वप्रहृल्लवववुववमिदृलमा॥ पमुतिव
 दिउमैकंविद्येगंमिरलीविरः॥ अरुमुल
 कउमृधिंसकुगेगैवराउ॥ रणिरःमूति
 माप्रेडिअकैवमंसुछंवरः॥ पउमृछंम
 यानगीतिगगठपूरयउ॥ अविनीरदु
 गठमभापमेवप्रययउ॥ कुधिरःमीलमे

क०
 म०
 उ३

न० यगडकेसरापडमः॥ प० व० सुव० ल० सु
 पिमिहक० य० व० त्रि० उ० ॥ य० प० त्रि० म० म० डुः
 मुमिध० त्रि० रि० त्रि० यः॥ म० प० डुः पू० प्र० युः
 प० डुः पू० त्रि० पि० व० म० स० यः॥ म० न० व० रि० प०
 रि० ग० मु० मु० पु० य० वि० वि० रि० त्रि० यः॥ क० उ० रि० ध० डुः
 म० डुः त्रि० म० त्रि० रि० क० डुः डुः य० कैः॥ म० उ० त्रि० म०

मल्लो गेः पीडुभवाः सुभवाः ॥ गतरा
 णः पूरयते उमुक्तं वदं मयः ॥ सुतय
 ऊर्णैरालेखितं मीकवीसुगः ॥ प० व० सु
 वल्लुपिठवद्वेकं मयः ॥ अधुयं व०
 मउमसं ववसुं मैकममः ॥ ये प० ति म
 मभुवउवेः पठणवः ॥ ववगइलि

ठ०
म०
३७

उदरैरुच्छ्रितिलिङ्गिभ्यः॥ सप्तिकथ
उवेविष्णुमिधुप्रतिभविर्णे॥ एककीउ
मउवउं५० न्नीगमविठयः॥ भादृमृगव
डीउमैप्रयक्तमीभिउंठलभा॥ भिष्णुपी
नमिर्गेगयेभिमुक्तैभुगलये॥ ५० वृद्ध
कथप्रुभिदिठवडिवालिउ॥ ममवउं५

ॐ शुभं कुरु भिषापी वरः सुमिः ॥ शुभं प्रदिभ
 ॐ श्री गौरी वरं मं भोपि पशुति ॥ सुवतु नभदुष्ट
 दप० तिप्ररुधे दुगः ॥ उमिदुः भिदुमले
 केसापत्रगुदलक्ष्माः ॥ कविद्वेभं धूत
 धं माभू लं दृष्टं दुः सुतः ॥ मक्तिः पूमील
 उभूते धनपी उधुगती ॥ वापगगमिगेरु

क.
म.
७.

सिगुलीकृतं मिथः॥ प्रयच्छतु मयं
 भवतु उक्तं सुगः॥ रंमवलिपितं कुल
 ऊक्तं भवतु सुगः॥ एग्येष्टुत्तं मयं
 एग्येष्टुत्तं मयं॥ विभंष्टुत्तं मयं
 यैः ऊक्तं मयं॥ द्दीगपत्तं मयं
 ऊक्तं मयं॥ वपत्तु मयं

गल्लं वं मविमेषतः॥ कवतिरुपप्रहृष्टकी
 त्रिठं रं यमसिधिरः॥ मङ्कुरैरुयं उधं मलनै
 ह्वैरगणतः॥ नममगठिमगैह्वमगिह्व
 नमनतः॥ भक्तलवभदवसुं पेंडकुपि
 वलीः कृमिज॥ गल्लं सुतेविवममविण्यं
 प्रभुवतिउ॥ नपम्ववसुतं यतिरुपमसु

ठ.
म.
७०

सुयवराः॥ भवइप्रणिङ्गलैकेरुम'वप्र
 सुगः॥ गडिगगविवरुः सुविफलः क'म
 पीडितः॥ सौवराः सुतमेरु'भु'सुयतुवम
 लैमराः॥ लिपिउंभ्रविकल'व'ण'यैरु
 ल'सुमिः॥ मभुण'युसुभ'वंतं'पूडियैरु
 पशुति॥ केउ'व'मुमुठैयधं'डिपु'सुलि

पिउंरले ॥ भय भैरुपरिदुःख क्रिमी
 कदुतेरणमः ॥ विमोदवृत्तिप्रभं सुमभु
 नृदिवलिता ॥ विलिप्तमभुं भुलठ
 उविलचंपूवभा ॥ वरुमिमेवमापसुता
 लवीगमिकीलवभा ॥ रुकिनीप्रउवृदु
 भदुभागीमसाकिनी ॥ कुतः प्रुतः पिसासा

ठ.
म.
७७

स्रगक्षंमिष्टुगम्यः॥नविमतिगदमेरु
लिपितंयद्रुडिधूति॥नसम्भुवल्तेयैप्प
मृयंऊँपरयते॥मुचउ'रंमपापावंठ
लद्विकं'पग्भा॥भद्रगकगिसालभग
वं'गैधुमभादिउः॥प०उ'मैधसाहुजंऊँ
पाकलिकसवगा॥यमप्रतात्रपसुतिरेतेनि

गययउतम॥॥प्रप्रवदुदयंप्रउमिव
 लेकंभरउतम॥॥भवराभुपेगभुम
 वदःपविवगलम॥॥भवमकुलदुदुं
 पठितुंभमवपैः॥॥सुउदुंमभमठकुप
 गंभुमुयवंमदुज॥॥भदभुमभकंप्रम
 भुयानुदुठधितम॥॥सुउयनप्रमंभउं

८.
म.
७३

रत्रि कंरभूकमिउभा ॥ कःउःपरउरभउर
उःपरउरःभुवः ॥ कःउःपरउरविहृजीऊंर
उःपरंपरभा ॥ उउरःरुउप्रउभुउरवउ
विप्ररिउः ॥ एकठवंभुमविहृयैययतिम
मैसुगीभा ॥ मेवउवंमेवउयउरुदुदुदम
प्ररिउः ॥ रुयउरुवरमलैकेमप्रवंविहृ

मङ्गल ॥ पतामवधुगगुविहंदिप्रगठ
गवीभा ॥ इलैरुमिहवंकुपमकक्षीमृग
वन्दारिः ॥ ॥ ॥ उडिमीमृयभलेउत्रेव
त्रिकेसुगभंवाभमदभूठवेठवकीरभ
मदभूभुवगणः मभुलः मभापुः ॥ ॥
रापुंपापदवंतंलकंमभुलिउंमी

क०
म०
७५

कं पुं उं मं न कं भुं उं णं कं मं भुं धिं उं
मि धि र्ग ॥ गीं उं भुं न वि वा छिं उं भुं उं उं
उं पां मं पं मं सुं यं कं उं नं कं वं नीं ति कं लं न कं
गं मि धुं धुं मं पं उं नः ॥ ५ ॥ ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri